भारत में सबसे पहले रेलवे मार्ग कहाँ पर बना?

यात्री परिवहन हेतु सबसे पहला रेल मार्ग बॉम्बे और ठाणे के बीच 1853 में चालू हुआ।

परंतु **रेलवे ट्रैक इसके काफी पहले ही भारत में लगाया जा चुका था जोकि माल परिवहन हेतु प्रयुक्त होता था** इनका क्रमवार विवरण निम्नवत है

1) सन् 1836: चिंताद्रपेट्टे पुल के नज़दीक (**मद्रास**) । माल डब्बों को खींचने के लिए इंजन की जगह जानवरों का प्रयोग होता था।

तकनीकी तौर पर **यह पहला रेल ट्रैक था - अपितु इंजिन विहीन**

2) 1838: रेड हिल रेल रोड RHRR (**मद्रास**) । यह लाइन **कोचेरन** नहर तक जाती थी और निर्माण कार्य के लिए ग्रेनाइट परिवहन हेतु प्रयुक्त होता था। **इसमें स्टीम इंजन (लोको) का प्रथम प्रयोग हुआ, जो कि एवेरी डिज़ाइन के रोटरी इंजन थे**। 2 अवसरों के विवरण उपलब्ध हैं।

- **28 अगस्त 1838:**

स्टीम इंजन + 3 डब्बे , **21 यात्री**

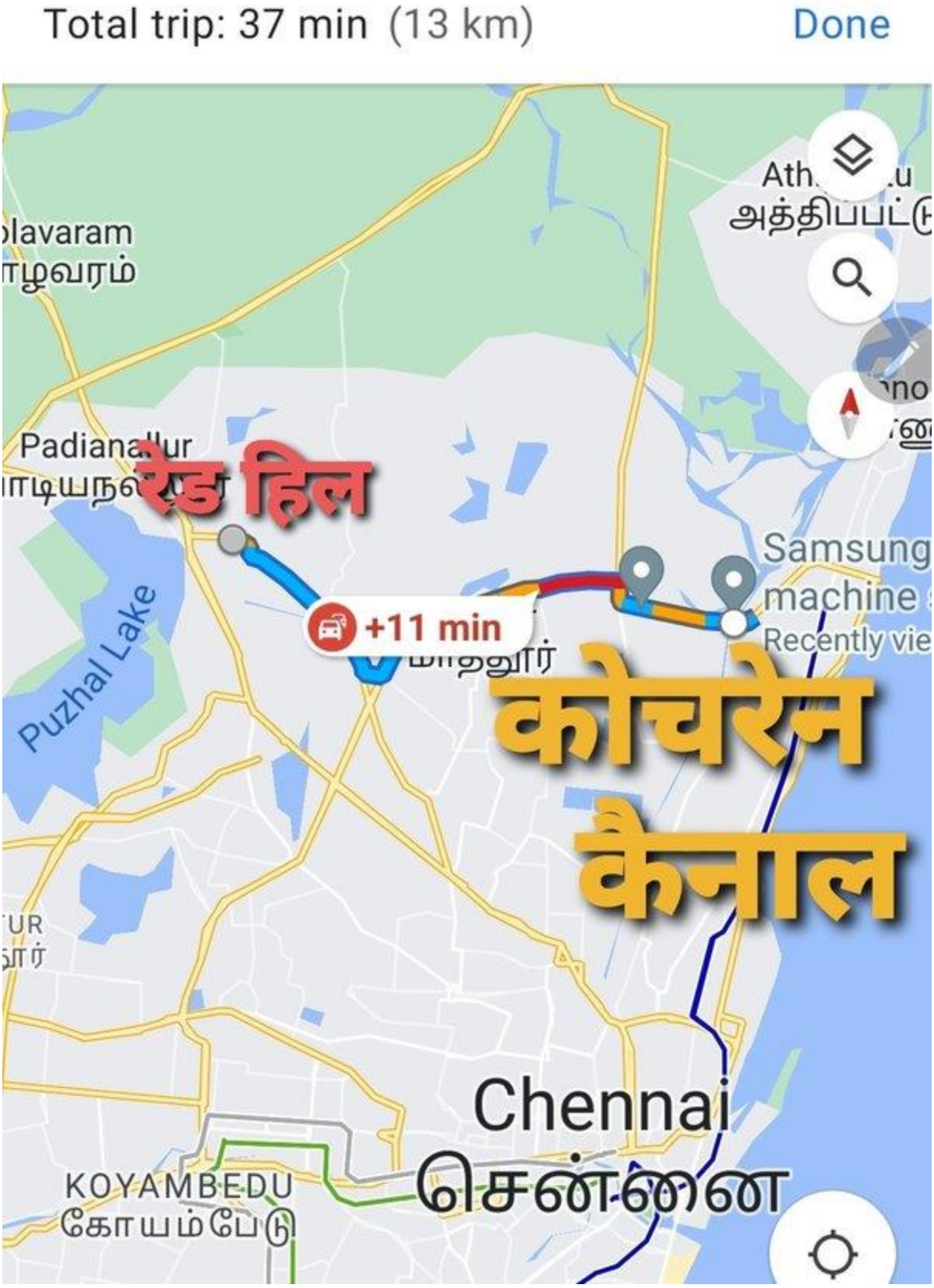
कुल वजन: 4 टन

- **12 सिंतबर 1838:**

स्टीम इंजन + टेंडर + 1 डब्बा, **8 यात्री**

कुल वजन: 3.12 टन

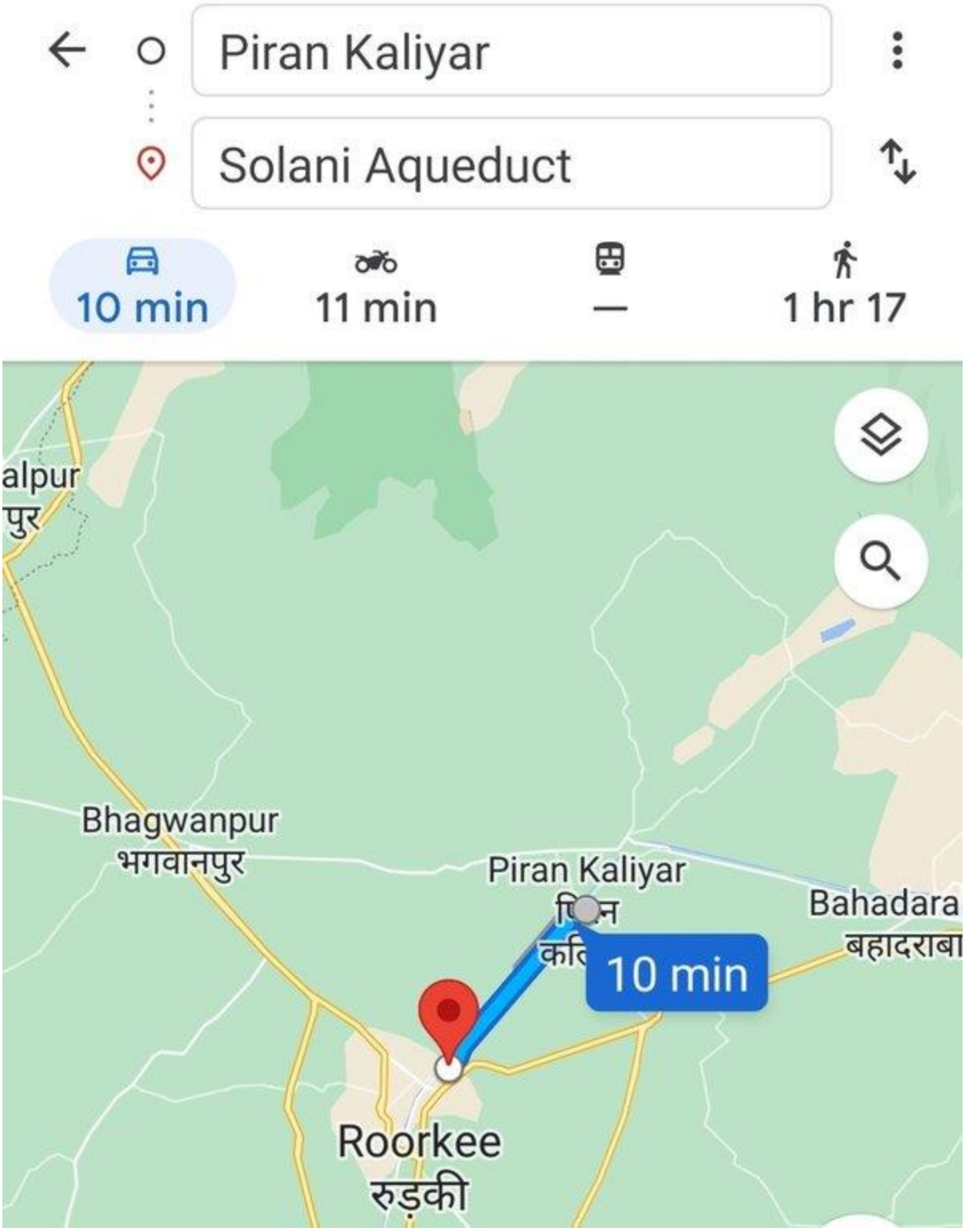
रेड हिल और कोचरन नहर (वर्तमान में बकिंघम कैनाल) को नक्शे पे देखें।


Total trip: 37 min (13 km)
Done
Padianallur
रेड हिल
+11 min
Puzhal Lake
कोचरेन
कैनाल
Chennai
சென்னை
KOYAMBEDU
கோயம்பேடு
Samsung
Recently vie

स्रोत: गूगल मैप

तकनीकी तौर पर यह **इंजिन द्वारा परिचालित पहला रेल पथ था - लेकिन अनियमित** और अत्यंत हल्के इंजन द्वारा

3) **1851**: सोलानी aqueduct जो गंगा नहर के ऊपर से रुड़की के पास गुजरती है, उसके निर्माण के लिए 4 किलोमीटर लंबे रेल लाइन का निर्माण हुआ **पिरन कलियर और पुल निर्माण स्थल तक;** और **22 दिसंबर 1851** को स्टीम इंजन द्वारा मालगाड़ी खींची गई। इस स्टीम इंजन का शुरुआती नाम जेनी लिंड था जिसे बाद में तत्कालीन लेफ्टिनेंट गवर्नर के नाम पर **थॉमसन** कर दिया गया। यह स्टीम इंजन एक बार में 150–200 टन बालू, रेत , मिट्टी आदि ढो सकता था। 9 महीने बाद यह स्टीम इंजन जल गया लेकिन तब तक निर्माण कार्य काफी पूरा हो चुका था।



स्टीम इंजन द्वारा भारत में प्रथम नियमित रेल परिवहन का पथ (4 km)

स्रोत: गूगल मैप



सोलानी aqueduct

[1]

तकनीकी तौर पर यह सामान्य **इंजिन द्वारा परिचालित पहला रेल पथ था**

इस इंजन का वर्किंग मॉडल अमृतसर कारखाने द्वारा बनाकर जुलाई 2005 में रुड़की स्टेशन के आगे रखा गया।



[2]

भारत के विभिन्न भागों में **नियमित यात्री रेल सेवा की शुरुआत निम्नवत हुई।**

पश्चिम भारत :

बॉम्बे - ठाणे : 21 मील - 16 अप्रैल 1853

ग्रेट इंडियन पेनिसुलर रेलवे (GIPR)

पूर्वी भारत

हावड़ा - हुगली : 24 मील - 15 अगस्त 1854

ईस्ट इंडियन रेलवे (EIR)

दक्षिणी भारत

व्यासर्पाडि जीवा निलयम - वालाजह रोड (आरकोट): 63 मील - 1 जुलाई 1856

मद्रास रेलवे कंपनी

उत्तर भारत

इलाहाबाद -कानपुर : 119 मील - 3 मार्च 1859

ईस्ट इंडियन रेलवे (EIR)

लंबे रुट

कोलकाता - दिल्ली : 1865

पहली ट्रेन: कोलकाता - दिल्ली के बीच : 1 अप/2 डाउन ईस्ट इंडियन रेलवे मेल ; सन 1866

बॉम्बे - बड़ोदा : 1864

बॉम्बे - पुणे : 1862

[3]

© लेखक

स्रोतः

[4] [5] [6]

और **Indian Railways - 150 Glorious Years : लेखक आर आर भंडारी** (ये नेशनल अकादेमी ऑफ इंडियन रेलवेज, बड़ौदा में प्रोफेसर थे, कालांतर मे सदस्य यांत्रिक रेलवे बोर्ड थे।

फुटनोट

[1] Engineering marvel: Raj-era aqueduct in a shambles | Dehradun News - Times of India
[2] 2843901-0: THOMSON, the first locomotive of India RK/RK/Roorkee (3 PFs) - Railway Enquiry
[3] □□□ - 2600 □□□□□ □□ □□□ - 26 □□□□ □□□
[4] India's First Railways
[5] The First Rail Run - Solani Aqueduct
[6] We care for Madras that is Chennai